व्यक्तित्व की विशेषता
(Characteristics of Personality)

classmate
Date
Page

व्यक्तित्व अनेक विशेषताओं से युक्त अवधारणा है। इनमें प्रमुख विशेषताओं को निम्नांकित रूप से समझा जा सकता है।—

① **गुणों का संगठन (organization of qualities)**:- व्यक्तित्व शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गुणों का संगठन है। व्यक्ति कुछ वंशानुगत गुणों को लेकर जैविकीय प्राणी के रूप में आता है। फिर उसका सम्पर्क समाज और संस्कृति से होता है। इस सम्पर्क में एक दूसरे के साथ अन्तःक्रिया होती है। इस क्रम में व्यक्ति दूसरों से प्रभावित होता है और दूसरों को प्रभावित करता है। इसके परिणामस्वरूप व्यक्ति में विभिन्न शारीरिक मानसिक नैतिक एवं सामाजिक गुण संगठित होकर सम्पूर्णता का निर्माण करते है। यही व्यक्तित्व है।

② **स्थायी गुण (Stable quality)**:— व्यक्तित्व तात्कालिक गुणों का नहीं, बल्कि स्थायी गुणों का संगठन है। व्यक्ति में कुछ स्थायी गुण होते हैं, जो व्यवहार में बार-बार दिखाई देते हैं। व्यक्तित्व व्यक्ति के इन स्थायी गुणों की ओर संकेत करता है। व्यक्ति की आयु के क्रम में ये गुण और अधिक स्थायी हो जाते है और व्यक्तित्व का अंग बनते जाते है।

③ **आन्तरिक गुण (Inner quality)**:— व्यक्तित्व के दो पक्ष होते है - बाह्य एवं आन्तरिक। व्यक्तित्व के निर्माण में इन दोनों पक्षों का योगदान है। परन्तु, व्यक्तित्व को आन्तरिक गुणों — आदर्श, मूल्य, प्रेरणा एवं जीवन दर्शन आदि के

सन्दर्भ में अधिक समझा जाता है।

(4) अर्जित (Achieved) :— व्यक्तित्व को अर्जित किया जाता है यानि सीखा जाता है। व्यक्ति की समाज के साथ अन्तःक्रिया होती है। इस क्रम में अन्य व्यक्तियों के सम्पर्क में व्यक्ति अनेक ऐसी चीजों को सीखता है जो व्यक्तित्व का अंग बनती है।

(5) गतिशील धारणा (Dynamic concept) :— व्यक्तित्व की एक विशेषता यह है कि यह एक गतिशील अवधारणा है। इसमें भी परिवर्तन व परिवर्द्धन होता है। यह परिवर्तन उस अवस्था में होता है, जब व्यक्तित्व को निर्धारित करने वाले आधारों (सामाजिक परिस्थितियों, शिक्षा, प्रशिक्षण, समस्या आदि) में परिवर्तन होता है।

(6) अनोखापन (Uniqueness) :— व्यक्तित्व की एक खास विशेषता अनोखापन है। अनोखापन इस माने में कि यह अनोखे संगठन का प्रतिनिधित्व करता है। व्यक्तित्व के संगठनात्मक पक्ष में अनोखापन है, जैसे— हर विरासत में अनोखापन होता है, हर पर्यावरण में अनोखापन देखने को मिलता है, व्यक्ति को जिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है - उनकी संख्या, प्रकार, क्रम आदि में भी अनोखापन होता है। फलस्वरूप व्यक्तित्व में अनोखापन देखने को मिलता है।

(7) संस्कृति के व्यक्तिक पक्ष (Subjective aspect of culture) :— व्यक्तित्व संस्कृति की उपज है। एक संस्कृति की आकृति उस समाज के व्यक्ति के व्यक्तित्व से देखी जा सकती है। संस्कृति का भौतिक एवं अभौतिक पक्ष व्यक्तित्व का निर्माण करता है।